अब निम और यूटीयू कराएंगे पर्वतारोहण में डिप्लोमा

दोनों के बीच जल्द होगा अनुबंध, यूटीयू की कार्य परिषद ने कर दिया है पाठ्यक्रम अनुमोदित

राजीव खत्री

उत्तरकाशी। जल्द ही उत्तराखंड के युवा पर्वतारोहण में एक वर्षीय पीजी डिप्लोमा कर सकेंगे। उत्तराखंड तकनीकी विश्वविद्यालय व निम इस पाठ्यक्रम को संचालित करेंगे। उत्तराखंड तकनीकी विवि की कार्य परिषद ने पाठ्यक्रम को अनुमोदित भी कर दिया है। जल्द ही दोनों संस्थानों के बीच अनुबंध होगा।

खास खबर

नेहरू पर्वतारोहण संस्थान (निम) पर्वतारोहण में प्रशिक्षण तो देता है लेकिन डिग्री या डिप्लोमा नहीं देता जिससे इस क्षेत्र में रुचि रखने वाले छात्रों को डिग्री या डिप्लोमा के लिए अन्य राज्यों का रुख करना पड़ता है। अब निम व उत्तराखंड तकनीकी विवि पर्वतारोहण में डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू करने जा रहे हैं। इसके लिए दोनों संस्थानों में प्रक्रिया गतिमान है। उत्तराखंड तकनीकी विवि ने पीजी डिप्लोमा इन माउंटेनियरिंग एंड एडवेंचर टेक्नोलॉजी का एक वर्षीय पाठ्यक्रम तैयार कर निम को भेज दिया है।

पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता स्नातक रखी गई है। विवि ने बीते आठ सितंबर को आयोजित कार्यपरिषद (ईसी) की बैठक में पाठ्यक्रम को अनुमोदित भी करा दिया था। विवि के अधिकारियों का कहना है कि पाठ्यक्रम को निम से सहमति मिलते ही अनुबंध कर दिया जाएगा। प्रभारी प्रधानाचार्य मेजर देवन वाजपेयी ने बताय कि पुणे स्थित गार्जियन गिरीप्रेमी पर्वतारोहण संस्थान पर्वतारोहण में डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित करता है। उक्त संस्थान सावित्री बाई फुले विवि पुणे से संबद्ध है। निम अब तक उक्त संस्थान के दो बैच के छात्रों को प्रशिक्षण दे चुका है। संवाद

> पीजी डिप्लोमा इन माउंटेनियरिंग एंड एडवेंचर पाठ्यक्रम के संचालन पर निम से बात हुई थी। विवि ने पाठ्यक्रम तैयार कर कार्य परिषद में भी अनुमोदित करा लिया है। निम से सहमति मिलते ही अनुबंध कर पाठ्यक्रम का संचालन शुरू कर दिया जाएगा।
> –**प्रो. ओंकार सिंह,** कुलपति उत्तराखंड तकनीकी विवि देहरादून।

> पाठ्यक्रम के संचालन के लिए अनुबंध से पूर्व की प्रक्रिया गतिमान है। प्रयास है कि सभी औपचारिकताएं पूर्ण कर जल्द पाठ्यक्रम का संचालन शुरु कर दिया जाए। –**मेजर देवल वाजपेई,** प्रभारी प्रधानाचार्य, निम।